प्रेषक,

करूणेश कुमार सिंह,
संयुक्त सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं,
उ0प्र0, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-4 लखनऊ: दिनांक- 02 फरवरी, 2021

विषय- केन्द्रीय कारागार, बरेली (द्वितीय) के मुख्य द्वार के बाहर तलाशी कक्ष का निर्माण तथा केन्द्रीय कारागार, बरेली के अन्दर 05 गोदामों का नव निर्माण, कन्ट्रोल रूम का नव निर्माण एवं पी0ए0सी0 बल हेतु आवासीय भवन का निर्माण कराये जाने हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-30735/नम-3/300/वैल्यूम-3/वि0वर्ष2020-21/निर्माण कार्य, दिनांक-15.12.2020 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा शासनादेश संख्या-680/22-4-2020-48(8)/18, दिनांक 03.09.2020 में नामित कार्यदायी संस्था **(लोक निर्माण विभाग)** द्वारा गठित आगणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदया केन्द्रीय कारागार, बरेली (द्वितीय) के मुख्य द्वार के बाहर तलाशी कक्ष का निर्माण तथा केन्द्रीय कारागार, बरेली के अन्दर 05 गोदामों का नव निर्माण, कन्ट्रोल रूम का नव निर्माण एवं पी0ए0सी0 बल हेतु आवासीय भवन का निर्माण कराये जाने हेतु निम्न विवरणानुसार प्रत्येक योजनाओं की कुल लागत रू0 101.74 लाख पर प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 में व्यय हेतु रू0 20,10,000/- (रूपया बीस लाख दस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान करती हैं:-

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र0	**कारागार का नाम**	**कार्य का नाम**	**आगणन की लागत**	**अवमुक्त किये जाने हेतु प्रस्तावित धनराशि**
1	के0का0 बरेली (दितीय) (पूर्व जि0का0, बरेली)	कारागार के मुख्य द्वार के बाहर तलाशी कक्ष का नवनिर्माण कार्य	12.83	2.50
1	के0का0 बरेली	कारागार के अन्दर 05 गोदामों का नवनिर्माण	61.03	12.20
2		कारागार के अन्दर कन्ट्रोल रूम का नवनिर्माण	7.44	1.40
3		कारागार के अन्दर पी0ए0सी0 आवासीय भवनों का नवनिर्माण	20.44	4.00
		योग	**101.74**	**20.10**

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

(1) नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियां एवं पर्यावरणीय क्लियरेन्स सक्षम स्तर से प्राप्त करके ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

(2) प्रायोजना का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व मानचित्रों को आवश्यकतानुरूप विभाग द्वारा स्थानीय विकास प्राधिकरण/सक्षम लोकल अथारिटी से स्वीकृत कराया जाना होगा।

(3) प्रायोजनान्र्गत प्रस्तावित कार्यो की द्विरावृति को रोकने की दृष्टि से प्रायोजना की स्वीकृति से पूर्व महानिरीक्षक कारागार द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा कि स्वीकृत किये जा रहे इस कार्य हेतु पूर्व में राज्य सरकार अथवा किसी अन्य श्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है तथा न ही यह कार्य किसी अन्य कार्ययोजना में सम्मिलित है।

(4) निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर उसका कब्जा विभाग को उपलब्ध करा दिया जायेगा। महानिरीक्षक कारागार परियोजना के क्रियान्वयन में टाइम ओवर रन/कास्ट ओवर रन को नियंत्रित करने हेतु वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश दिनांक-21.06.2017 का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

(5) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिकाओं के सुसंगत प्राविधानों एवं समय- समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।

(6) प्रश्नगत धनराशि जिस कार्य मद में स्वीकृत की जा रही है उसका व्यय प्रत्येक दशा में उसी कार्य/मद में किया जायेगा।

(7) लेबर सेस की धनराशि का भुगतान श्रम विभाग को किया जायेगा।

(8) स्वीकृत धनराशि का व्यय/उपयोग सुसंगत नियमों एवं शासनादेशों के अनुसार समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति करते हुए किया जायेगा।

(9) महानिरीक्षक, कारागार द्वारा उपकरणों का क्रय सुसंगत नियमों एवं शासनादेशों के अनुसार समस्त औपचारिकाता की पूर्ति करते हुए सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक-23.08.2017 के अनुसार किया जायेगा।

(10) आहरण और वितरण अधिकारी द्वारा 02-02 माह की आवश्यकता के लिए आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराई जाए तथा कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्व में दी गयी धनराशि के 75 प्रतिशत का उपयोग करने के उपरान्त अगले 02 माह के लिए पुनः आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित कर दी जाय।

(11) प्रायोजना हेतु जीएसटी की वास्तविक धनराशि नियमानुसार देय होगी।

(12) क्रियान्वयन से पूर्व कार्यदायी संस्था द्वारा प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यो हेतु निर्माताओं से प्रतिस्पर्धा के आधार पर दरें प्राप्त करें चूंकि इनके शिड्यूल आफ रेट्स उपलब्ध नहीं होते हैं जिससे मेक, माडल एवं स्पेसिफिकेशन में अन्तर आना स्वाभाविक है।

3- इस निमित्त होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-25 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "4070-अन्य प्रशासनिक सेवाओं पर पूंजीगत परिव्यय-800-अन्य व्यय-12-कारागार विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु व्यवस्था-24-वृहत् निर्माण कार्य" के नामे डाला जायेगा और उक्त लेखाशीर्षक/मद में उपलब्ध प्रावधान से वहन किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-ई-12/269/दस/2021, दिनांक-28 जनवरी, 2021 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

करूणेश कुमार सिंह
संयुक्त सचिव।

संख्या-13/2021/1075(1)/22-4-2021-तददिनांकित-

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

(1) प्रधान महालेखाकार(सिविल आडिट) उ0प्र0, इलाहाबाद।
(2) महालेखाकार(लेखा एवं हकदारी) उ0प्र0, इलाहाबाद।
(3) मुख्य अभियन्ता (भवन) लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
(4) जिलाधिकारी, बरेली।
(5) मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
(6) निदेशक, वित्तीय सांख्यिकीय निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
(7) वित्त नियंत्रक, कारागार मुख्यालय, लखनऊ।
(8) निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग, उ0प्र0 शासन।
(9) वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-12/वित्त (आय- व्ययक) अनुभाग-1/2
(10) गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

अजय कुमार तिवारी
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।